संक्षेप में प्रारंभिक रिपोर्ट

3 मई 2024 को कमिश्नर मरी-जोज़े होग ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की। इसने विदेशी हस्तक्षेप आयोग के कार्य का पहला चरण पूरा किया, जिसमें आयोग ने हजारों दस्तावेजों की समीक्षा की तथा 21 दिनों की सुनवाई के दौरान 60 से अधिक गवाहों से सुना।

प्रारंभिक रिपोर्ट का मुख्य उद्देश्य जनता को इस बारे में बेहतर समझ प्रदान करना है कि विदेशी हस्तक्षेप क्या है, हमें इससे क्यों सावधान रहना चाहिए, पिछले दो आम संघीय चुनावों में यह किस प्रकार सामने आया तथा सरकार ने इस पर किस प्रकार प्रतिक्रिया दी।

प्रारंभिक रिपोर्ट में शामिल प्रमुख मुद्दों, घटनाओं और निष्कर्षों का सारांश नीचे दिया गया है।

विदेशी हस्तक्षेप...

नया नहीं है। यह कैनेडा और विश्व भर में दशकों से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। लेकिन यह बदलती भू-राजनीति और प्रौद्योगिकी को प्रतिबिंबित करते हुए विकसित हो रहा है।

लगातार। कैनेडा में विदेशी हस्तक्षेप का लगातार आधार बना हुआ है। यह केवल चुनावों के दौरान ही होने वाली बात नहीं है।

किसी विदेशी राज्य या उसकी ओर से कार्य करने वाले व्यक्तियों द्वारा **गुप्त, भ्रामक या व्यक्तिगत रूप से डराने वाली गतिविधियाँ**, जो कैनेडा के हितों के लिए हानिकारक हैं।

हमेशा स्पष्ट और प्रत्यक्ष नहीं होता। व्यवहार में, विदेशी प्रभाव (वैध) और विदेशी हस्तक्षेप (अवैध) के बीच फर्क करना कठिन हो सकता है। अक्सर एक ऐसा संदिग्ध क्षेत्र होता है जहां विदेशी अभिनेता अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के लिए गुप्त गतिविधियों में संलग्न होने के लिए स्थापित, वैध चैनलों का उपयोग कर सकते हैं।

बहुमुखी। विदेशी हस्तक्षेप में संलग्न राज्य और गैर-राज्य अभिनेता:

- **कैनेडा के लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने के लिए कई तरह की रणनीति का उपयोग करना**, उदाहरण के लिए अपने लक्ष्य के साथ दीर्घकालिक संबंध बनाना, वित्तीय सहायता करना, रिश्वतखोरी, ब्लैकमेल करना, धमकाना, साइबर हमले करना, गलत सूचना अभियान और प्रॉक्सी का उपयोग करना (वे लोग जो संबंधित गतिविधि और विदेशी राज्य के बीच संबंध को अस्पष्ट करने के लिए किसी विदेशी राज्य से निर्देश लेते हैं)।

- **कई अलग-अलग समूहों को लक्ष्य बनाना:** उम्मीदवार और निर्वाचित अधिकारी, सिविल सेवक और राजनीतिक कर्मचारी, मतदाता, हित समूह (जैसे, दानकर्ता, लॉबिस्ट, सामुदायिक समूह) और मीडिया (मुख्यधारा के मीडिया आउटलेट और सामुदायिक स्रोत दोनों)।

- **प्रवासी समुदायों को निशाना बनाने में उनकी विशेष रुचि हो सकती है**, विशेष रूप से मतभेद करनेवालों को चुप कराने, विदेशी राज्य के संदेशों को बढ़ावा देने, जनमत को नियंत्रित करना और मतभेद पैदा करना। प्रवासी समुदायों के सदस्यों को विदेशी हस्तक्षेप के कारण सबसे अधिक हानिकारक प्रभावों का सामना करना पड़ता है, जिसमें उनके मूल देशों में उनके परिवारों को धमकाना भी शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए:

विदेशी हस्तक्षेप के प्रभाव

प्रारंभिक रिपोर्ट स्पष्ट है: पिछले दो कनेडियन आम चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप हुआ था।

जबकि पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ("PRC") वर्तमान में कैनेडा के लिए सबसे लगातार और परिष्कृत विदेशी हस्तक्षेप के खतरे के रूप में सामने आ रहा है, आयोग द्वारा जांच की गई खुफिया जानकारी में अन्य देशों के अलावा रूस, भारत, पाकिस्तान और इस्लामी गणराज्य ईरान को भी कैनेडा में संभावित विदेशी हस्तक्षेप करने वाले अभिनेताओं के रूप में पहचाना गया है।

इस वास्तविकता को देखते हुए, प्रारंभिक रिपोर्ट 2019 और 2021 के आम चुनावों के बारे में कई प्रश्नों और उन पर विदेशी हस्तक्षेप के प्रभाव पर विचार करती है। इन प्रश्नों और आयुक्त के निष्कर्षों का सारांश नीचे दिया गया है।

क्या विदेशी हस्तक्षेप से चुनावी प्रणाली की अखंडता कमजोर हुई है?

नहीं। दोनों चुनाव राष्ट्रीय और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर ईमानदारी के साथ संचालित किए गए। मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके और उनके मतों की विधिवत पंजीकरण और गणना की गई। इसके विपरीत कोई सबूत नहीं है।

क्या विदेशी हस्तक्षेप का असर इस बात पर पड़ा कि 2019 या 2021 में कौन सी पार्टी सत्ता में आए?

नहीं, ऐसा नहीं हुआ। लिबरल पार्टी 2019 और 2021 में विदेशी हस्तक्षेप के साथ या बिना विदेशी हस्तक्षेप के सरकार में होती।

क्या विदेशी हस्तक्षेप ने चुनाव परिणामों पर कोई प्रभाव डाला?

यह संभव है कि कुछ क्षेत्रों में परिणाम प्रभावित हुए हों, लेकिन यह निश्चितता से नहीं कहा जा सकता। इन क्षेत्रों में विदेशी हस्तक्षेप से नामांकन प्रतियोगिता और चुनावी अभियान दोनों पर असर पड़ सकता था, जिससे यह प्रभावित होता कि संसद में कौन चुना जाएगा या कौन सी पार्टी सीट जीतेगी।

क्या विदेशी हस्तक्षेप ने व्यापक चुनावी पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित किया?

ऐसा किया था। विशिष्ट चुनाव परिणामों पर पड़ने वाले प्रभाव के बावजूद, प्रारंभिक रिपोर्ट में उल्लिखित घटनाओं ने संभवतः कुछ मतदाताओं की सूचित मतदान करने की क्षमता को कम कर दिया, जिससे प्रक्रिया दूषित हो गई। अब तक इसका प्रभाव संभवतः हल्का रहा है, लेकिन भविष्य में यह अधिक गंभीर हो सकता है।

क्या विदेशी हस्तक्षेप से कनेडियन लोकतंत्र में जनता का विश्वास कमजोर हुआ?

दुर्भाग्यवश, ऐसा हुआ। लोकतंत्र और सरकार में विश्वास को कम करना विदेशी हस्तक्षेप में संलग्न कई राज्यों का प्राथमिक उद्देश्य है। विदेशी हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप कैनेडा को संभवतः यह सबसे बड़ा नुकसान हुआ है।

क्या विदेशी हस्तक्षेप का सभी पर समान प्रभाव पड़ा?

ऐसा नहीं हुआ। जबकि सभी कनेडियन विदेशी हस्तक्षेप के शिकार हैं,विदेशी हस्तक्षेप के साधन और तरीके कनाडा में प्रवासी समुदायों को अलग-अलग तरीकों से नुकसान पहुंचाते हैं। उनके अनुभवों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए तथा उन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

इन निष्कर्षों पर अधिक विवरण के लिए देखें *अध्याय 8 – प्रभावों का आकलन*

अन्य जानकारी आपको प्रारंभिक रिपोर्ट पर नेविगेट करके मिलेगी

रिपोर्ट की मुख्य बातें	*विषयसूची*
प्रारंभिक रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्षों को 15 पृष्ठों में सारांशित करता है	प्रारंभिक रिपोर्ट का संपूर्ण अवलोकन देता है

घटनाओं की कालानुक्रमिक समीक्षा जिसके परिणामस्वरूप आयोग का गठन हुआ।

→ *अध्याय 1 – विदेशी हस्तक्षेप आयोग कैसे अस्तित्व में आया*

आयोग के अधिदेश तथा इसने अपने कार्य को किस प्रकार संगठित किया है, का विवरण।

→ *अध्याय 2 – आयोग के अधिदेश का दायरा*
→ *अनुलग्नक सी – आयोग का संचालन और संगठन*

इंटेलिजेंस और वर्गीकृत सूचना से संबंधित नियम और अवधारणाएं, तथा पारदर्शिता और विभिन्न सुरक्षा हितों के बीच संतुलन बनाने के लिए आयोग द्वारा अपनाया गया दृष्टिकोण।

→ *अध्याय 3 - पारदर्शिता और राष्ट्रीय सुरक्षा गोपनीयता*

इंटेलिजेंस एजेंसियों और अन्य संघीय संस्थाओं और प्रक्रियाओं, विदेशी हस्तक्षेप के प्रति प्रतिक्रिया, तथा सरकार के भीतर सूचना का संचरण किस प्रकार होता है का विवरण।

→ *अध्याय 5 - कैनेडा विदेशी हस्तक्षेप पर कैसे प्रतिक्रिया करता है?*

2019 के आम चुनाव में विदेशी हस्तक्षेप के विशिष्ट आरोप और सरकार की प्रतिक्रिया → *अध्याय 6 - 2019 का आम चुनाव*

उदाहरण के लिए:

- डॉन वैली नॉर्थ (ओंटारियो) में लिबरल पार्टी के नामांकन प्रतियोगिता में अनियमितताएं।
- ग्रेटर वैंकूवर में PRC की हस्तक्षेप गतिविधियाँ।
- कैनेडा में ज्ञात और संदिग्ध PRC-संबंधित खतरा पैदा करने वाले लोगों के एक समूह को 250 हजार डॉलर की वित्तीय सहायता देने का आरोप।
- कैनेडा में पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों द्वारा कैनेडा की संघीय राजनीति को गुप्त रूप से प्रभावित करने का प्रयास।
- *बफैलो क्रॉनिकल* नामक वेबसाइट पर प्रधानमंत्री के बारे में नकारात्मक लेख प्रकाशित हुए।

2021 के आम चुनाव में विदेशी हस्तक्षेप के विशिष्ट आरोप और सरकार की प्रतिक्रिया → *अध्याय 7 - 2021 का आम चुनाव*

उदाहरण के लिए:

- कैनेडा की कंजर्वेटिव पार्टी के नीति मंच, उसके नेता एरिन ओ'टूल और स्टीवेस्टन-रिचमंड ईस्ट (ब्रिटिश कोलंबिया) में उसके उम्मीदवार केनी चियू को लक्षित करके गलत सूचना फैलाई गई।
- ग्रेटर वैंकूवर क्षेत्र में न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद जेनी क्वान और अन्य उम्मीदवारों को निशाना बनाकर संदिग्ध विदेशी हस्तक्षेप गतिविधियां की गईं।
- भारत सरकार से संभावित गुप्त वित्तीय सहायता।
- संदेहास्पद रूसी दुष्प्रचार गतिविधि।

आयोग के कार्य का दूसरा चरण और सार्वजनिक परामर्श

आयोग का काम अभी ख़त्म नहीं हुआ है और दूसरा चरण पहले से ही चल रहा है।

इस चरण में, आयोग विदेशी हस्तक्षेप का पता लगाने, उसे रोकने और उसका मुकाबला करने के लिए विभिन्न राज्य अभिनेताओं और प्रक्रियाओं की क्षमता की जांच करेगा, तथा इस क्षमता को मजबूत बनाने के संबंध में सिफारिशें करेगा।

आयोग अन्य बातों के अलावा निम्नलिखित कार्य करेगा:

- इस बारे में जानें कि विदेशी हस्तक्षेप के बारे में इंटेलिजेंस जानकारी और सूचना सरकार, जनता और उन लोगों तक कैसे पहुंचाई जानी चाहिए जो विदेशी हस्तक्षेप के प्रति संवेदनशील हैं और क्या हमारी इंटेलिजेंस एजेंसियों के लिए अधिक जानकारी साझा करना उचित है।

- विभिन्न मुद्दों पर विचार करें जिनमें ऑनलाइन गलत सूचना और भ्रामक सूचनाओं का जवाब देने की चुनौतियां शामिल हो सकती हैं।

- नामांकन प्रतियोगिताओं को नियंत्रित करने वाले नियमों, या नियमों की कमी की जांच करें। पहले चरण से पता चला है कि ये प्रतियोगिताएं विदेशी हस्तक्षेप के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हैं।

सार्वजनिक परामर्श

जब तक विदेशी हस्तक्षेप का पता लगाने और उसका बेहतर तरीके से मुकाबला करने के लिए सख्त कदम नहीं उठाए जाते, तब तक विदेशी हस्तक्षेप बढ़ने की संभावना है और इसके हमारे लोकतंत्र पर नकारात्मक परिणाम होंगे। इसे हतोत्साहित किया जाना चाहिए, तथा हमारे लोकतंत्र और सभी कनेडियन लोगों की रक्षा के लिए इसके प्रभावों को कम किया जाना चाहिए।

यही कारण है कि आयोग ने सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया स्थापित की है। सभी आम लोगों, विशेषकर प्रवासी समुदायों के लोगों को, हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं में विदेशी हस्तक्षेप से संबंधित मुद्दों पर अपने अनुभव और विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

आयोग की सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी यहां पाई जा सकती है: *https://foreigninterferencecommission.ca/public-consultation*

कमिश्नर होग दिसंबर 2024 में अपनी अंतिम रिपोर्ट जारी करने की योजना बना रही हैं।